



प्रज्ञात समाचार

सच की आवाज, जनता के साथ

वर्ष:1 अंक : 12

सोमवार, 10 अगस्त से 16 अगस्त 2026

पृष्ठ:6

मूल्य: 2 रुपये

मुख्यमंत्री ने अम्बेडकरनगर में 706 करोड़ रु0 से अधिक लागत की

194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

प्रज्ञात समचार

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज 706 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि की परियोजनाओं का उपहार अम्बेडकरनगरवासियों को प्राप्त हो रहा है। विकास का मॉडल अम्बेडकरनगर में देखा जा सकता है। यह जनपद 02 एक्सप्रेस-वे के साथ जुड़ा हुआ है। नार्थ-साउथ कॉरिडोर के अन्तर्गत सिद्धार्थनगर, बांसी, बस्ती, प्रयागराज व चित्रकूट होते हुए दक्षिण उत्तर प्रदेश को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है, जिसका केन्द्र बिन्दु जनपद अम्बेडकरनगर बनने जा रहा है। अम्बेडकरनगर के मेडिकल कॉलेज में फ्रिटिकल केयर यूनिट के माध्यम से यहां के लोगों को ट्रॉमा व इमरजेंसी सेवाएं देने का कार्य



किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी आज जनपद अम्बेडकरनगर में जलालपुर, आलापुर एवं टाण्डा विधान सभा क्षेत्रों की 706 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार

व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र, प्रमाण पत्र, प्रतीकात्मक चेक, आवास की चाबी तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री जी ने बाबा गोविन्द साहब धाम में पवित्र समाधि तथा

श्रीरामजानकी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन तथा बच्चों का अन्नाप्राशन व गर्भवती महिलाओं की गोदभराई भी की। कार्यक्रम के दौरान जनपद अम्बेडकरनगर की विकास यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि आज उन्हें माँ सरयू और माँ तमसा के मध्य अवस्थित बाबा गोविन्द साहब धाम, श्रवण धाम और शिव बाबा धाम को नमन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। आज राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर वह प्रदेश के उन लाखों कारीगरों और हस्तशिल्पियों को नमन करते हैं, जिन्होंने अपनी हस्तकला और कारीगरी से भारत की विरासत व भारत के स्वदेशी ब्राण्ड के साथ

देश के हथकरघा उद्योग को नई ऊँचाईयों तक पहुंचाया है। आज की तिथि इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज के ही दिन 07 अगस्त, 1905 को भारत की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वाधीनता संग्राम सेनानियों ने स्वदेशी को भारत की आजादी का मंत्र बनाया था। स्वदेशी का मंत्र आज हमारे सम्मुख हथकरघा व खादी के रूप में एक प्रेरणा बना हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाबा गोविन्द साहब धाम अत्यन्त पवित्र धाम है। यह सैकड़ों वर्षों से आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र है, जो हमें अपनी विरासत से जुड़ने की प्रेरणा दे रहा है। आज बाबा गोविन्द साहब धाम में पवित्र समाधि तथा नवनिर्मित श्रीरामजानकी मन्दिर के दर्शन कर उन्हें एक आध्यात्मिक अनुभूति हुई।

पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गोड़ ने

गंग नहर घाट का निरीक्षण कर मोटर बोट में बैठकर लिया स्थिति का जायजा

मनस्वी वाणी संवाददाता मुरादनगर ग्वाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर और पुलिस उपायुक्त ग्रामीण जॉन ने गंग नहर स्थित कावड़ मेले की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और पीएससी गोताखोर के साथ मोटर बोट में चितौड़ा पुल तक गंग नहर का भी निरीक्षण किया। पुलिस आयुक्त जे रविंद्र गोड़ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजकरण नयर पुलिस पुलिस उपायुक्त ग्रामीण जॉन सुरेंद्रनाथ तिवारी एसीपी मसूरी सुनील कुमार भारद्वाज ने शुक्रवार को झमाझम बरसात के बीच गंग नहर घाट का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य शिविर में उपचार कर रहे कांवड़ियों से बातचीत कर उनका हाल-चाल पूछा। पुलिस आयुक्त ने डीसीपी ग्रामीण जॉन सुरेंद्रनाथ तिवारी से नगर पालिका परिषद द्वारा तैयारी के बारे में जानकारी हासिल की उसके बाद पुलिस कमिश्नर अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ पीएससी के गोताखोर की बोटर बोट में बैठकर गंग नहर पुल से चितौड़ा पुल तक गंग नहर का भी निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस आयुक्त ने पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात



पुलिस कर्मियों से जानकारी ली तथा की ड्रोन उड़ानकर स्थिति पर कड़ी नजर एटीएस पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए रखे।

मुजफ्फरनगर में उट योगी ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर बरसाए फूल



प्रज्ञात समाचार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के शिव चौक पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने शिव चौक के ऊपर हेलीकॉप्टर से कई चक्कर लगाए और कांवड़ियों पर फूल बरसाए।

मुजफ्फरनगर के प्रसिद्ध शिव चौक पर शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। मुख्यमंत्री

का हेलीकॉप्टर शिव चौक के ऊपर कई बार चक्कर लगाता रहा और इस दौरान नीचे मौजूद कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए। पुष्पवर्षा के दौरान शिव चौक पर कांवड़ियों में उत्साह नजर आया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर शिव चौक पर भाजपा नेताओं की भी मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। मुख्यमंत्री की पुष्पवर्षा को देखते हुए क्षेत्र में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे।

श्रीराम सेतु पर विराजेंगे प्रभु श्रीराम, एलिवेटेड फ्लाईओवर बना नई पहचान

ग्वाजियाबाद से दिल्ली जाने वाले श्रद्धालुओं को होंगे श्रीराम के दर्शन: नगर आयुक्त

प्रज्ञात समाचार

ग्वाजियाबाद। ग्वाजियाबाद नगर निगम शहर के सौंदर्यीकरण को नई पहचान देने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में एलिवेटेड फ्लाईओवर पर बनाए गए 'श्रीराम सेतु' को और भव्य स्वरूप देने के लिए नगर निगम ने यहां भगवान श्रीराम की 22 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित की है। प्रतिमा का निर्माण अंतिम चरण में है और इसके पूर्ण होने के बाद यह शहर का नया आकर्षण केंद्र बनेगी।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने गुरुवार को मौके पर पहुंचकर प्रतिमा स्थापना और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने, पेंटिंग का कार्य सावधानीपूर्वक करना तथा निर्धारित समय में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने बताया कि दिल्ली से ग्वाजियाबाद आने वाले



लोगों का स्वागत पहले से ही श्रीराम सेतु द्वार कर रहा है। अब ग्वाजियाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाले लोगों को भी श्रीराम सेतु पर भगवान श्रीराम के भव्य दर्शन होंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनेगी, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाई देगी। प्रतिमा के चारों ओर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था भी विकसित की जा रही है।

स्ट्रक्चर पर विशेष एलईडी

प्रज्ञात समाचार

ग्वाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को लेकर ग्वाजियाबाद नगर निगम की ओर से कांवड़ मार्ग पर की गई व्यवस्थाओं का जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने जायजा लिया। डीएम नगर निगम द्वारा आयोजित कांवड़ शिविर में पहुंचे और वहां कांवड़ियों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य और सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान जिलाधिकारी, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और मुख्य विकास अधिकारी ने कांवड़ यात्रियों

को भोजन वितरित किया और उनके साथ प्रसाद भी ग्रहण किया। जिलाधिकारी ने शिविर में भोजन, विश्राम, पेयजल, शौचालय, स्नानघर, प्रकाश और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने रसोईघर का भी जायजा लिया और भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि नगर निगम की ओर से कांवड़ यात्रियों के लिए इतने बड़े स्तर पर शिविर का आयोजन सराहनीय है। कांवड़ यात्री यहां 24 घंटे भोजन और विश्राम की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग पर नगर निगम द्वारा लगातार साफ-सफाई, पेयजल और प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है। शिविरों में भी सफाई के साथ फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। शिविर में स्टील के बर्तनों का उपयोग किया जाना भी सराहनीय पहल है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर नगर निगम के विभिन्न विभागों की टीमों कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं में जुटी हुई हैं। शिविर में निगम अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा लगातार व्यवस्थाओं

की निगरानी की जा रही है। डीएम ने टीम को कांवड़ महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान अन्य विभागों के अधिकारियों भी मौजूद रहे। विभिन्न क्षेत्रों से आए कांवड़ यात्रियों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया और खान-पान समेत अन्य सुविधाओं की जानकारी ली गई। जिला प्रशासन और नगर निगम ने सभी कांवड़ शिविर संचालकों से प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने तथा स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

कांवड़ शिविर में पहुंचे डीएम, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कांवड़ियों से की बातचीत, भोजन कराया वितरित



प्रज्ञात समाचार

ग्वाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को लेकर ग्वाजियाबाद नगर निगम की ओर से कांवड़ मार्ग पर की गई व्यवस्थाओं का जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने जायजा लिया। डीएम नगर निगम द्वारा आयोजित कांवड़ शिविर में पहुंचे और वहां कांवड़ियों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य और सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान जिलाधिकारी, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और मुख्य विकास अधिकारी ने कांवड़ यात्रियों

को भोजन वितरित किया और उनके साथ प्रसाद भी ग्रहण किया। जिलाधिकारी ने शिविर में भोजन, विश्राम, पेयजल, शौचालय, स्नानघर, प्रकाश और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने रसोईघर का भी जायजा लिया और भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि नगर निगम की ओर से कांवड़ यात्रियों के लिए इतने बड़े स्तर पर शिविर का आयोजन सराहनीय है। कांवड़ यात्री यहां 24 घंटे भोजन और विश्राम की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग पर नगर निगम द्वारा लगातार साफ-सफाई, पेयजल और प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है। शिविरों में भी सफाई के साथ फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। शिविर में स्टील के बर्तनों का उपयोग किया जाना भी सराहनीय पहल है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर नगर निगम के विभिन्न विभागों की टीमों कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं में जुटी हुई हैं। शिविर में निगम अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा लगातार व्यवस्थाओं

की निगरानी की जा रही है। डीएम ने टीम को कांवड़ महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान अन्य विभागों के अधिकारियों भी मौजूद रहे। विभिन्न क्षेत्रों से आए कांवड़ यात्रियों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया और खान-पान समेत अन्य सुविधाओं की जानकारी ली गई। जिला प्रशासन और नगर निगम ने सभी कांवड़ शिविर संचालकों से प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने तथा स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

सात दिवसीय कांवड़ शिविर का शुभारंभ

महापौर व नगर आयुक्त ने शिवभक्तों को कराया प्रसाद वितरण



प्रज्ञात समाचार

ग्वाजियाबाद। श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों की सेवा के लिए ग्वाजियाबाद नगर निगम की ओर से सात दिवसीय कांवड़ शिविर का शुभारंभ किया गया। साईं उपवन स्थित शिविर का उद्घाटन महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर भगवान शिव का विधिविधान से जलाभिषेक और पंचामृत अभिषेक कर पूजा-अर्चना की गई।

- शिवपूजन के साथ शुरू हुई सेवा, सात दिन तक भोजन, विश्राम और मूलभूत सुविधाएं रहेंगी उपलब्ध
- नगर निगम का कांवड़ शिविर पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त, स्टील के बर्तनों में परोसा जाएगा भोजन: महापौर

इसके बाद महापौर, नगर आयुक्त,



पार्षदों और निगम अधिकारियों ने श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को प्रसाद और भोजन वितरित कर सेवा कार्य का शुभारंभ किया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शिविर के शुभारंभ से पहले भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया और मंत्रोच्चार के बीच भोग अर्पित कर शिविर की शुरुआत कराई। इसके बाद उन्होंने शिवभक्तों और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि नगर निगम सीमा

और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। महापौर सुनीता दयाल ने सभी कांवड़ यात्रियों और शिवभक्तों को श्रावण शिवरात्रि एवं कांवड़ महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर निगम का यह शिविर पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त रहेगा। भोजन परोसने के लिए स्टील के बर्तनों का उपयोग किया जाएगा और श्रद्धालुओं से भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि नगर निगम सीमा

में संचालित अन्य कांवड़ शिविरों को भी प्लास्टिक मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि नगर निगम शहर में कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम कर रहा है। साईं उपवन स्थित शिविर में 5 अगस्त से 11 अगस्त तक सात दिनों के लिए 24 घंटे भोजन, विश्राम, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की गई है।



पांच दिवसीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का समापन

हापुड़(प्रज्ञात समाचार)। भारत स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश जनपद संस्था हापुड़ के तत्वावधान में जिला मुख्य आयुक्त गाइड पारुल त्यागी के नेतृत्व में आयोजित पांच दिवसीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण का समापन श्री सरस्वती विद्यालय इंटर कॉलेज, दिल्ली रोड, हापुड़ में किया गया। शिविर का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं जिला आयुक्त स्काउट विजय कुमार गर्ग ने ध्वजारोहण कर किया। प्रशिक्षण शिविर में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 200 स्काउट एवं गाइड्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर के दौरान जिला संगठन आयुक्त (स्काउट/गाइड) श्रीप्रकाश शर्मा एवं नीता कौशिक ने प्रतिभागियों को स्काउट-गाइड प्रार्थना, झंडा गीत, नियम एवं प्रतिज्ञा युवा संगम, स्लोगन प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया।



संक्षिप्त

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर काफ़ेस ने थाने का किया घेराव

मोदीनगर(प्रज्ञात समाचार))। पशु ले जा रही मां बेटी से मारपीट का मामला तुल पकड़ता नजर आ रहा है। आरोपियों पर एनएएफ की कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोदीनगर थाने का घेराव कर जमकर हंगामा किया। बता दें कि सोमवार को सोशल मीडिया पर एक वायरल विडियो हुआ। जिसमें नंदनगरी कॉलोनी निवासी दीपा, उसकी मां के साथ दिल्ली-मेरठ मार्ग पर सिखड़ा रोड के निकट मारपीट होते नजर आ रही थी। विडियो का संचान लेते हुए पुलिस ने दीपा कश्यप की तहरीर पर हिंदू रक्षा दल की मोदीनगर विधानसभा अध्यक्ष सपना अग्रवाल समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कांग्रेस के पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा का कहना है कि पुलिस दबाव में काम रही है। मां-बेटी के साथ मारपीट के प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ बॉब लिविंग की कोशिश की धारा में कार्रवाई होनी चाहिए, ऐसा नहीं होने पर कांग्रेस आंदोलन करेगी। इस मौके पर शहर अध्यक्ष बुजेश सेन, चांदवीर चौधरी, राकेश सोनी, दीपक शर्मा, अनस सैफी, भिखारी लाल कश्यप, महेश दत्त शर्मा आदि मौजूद रहे।

माजपा नेता के साथ मारपीट में कार्रवाई को लेकर हंगामा

मोदीनगर(प्रज्ञात समाचार)। भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष नितिन मितल को दोड़ा दोड़कर पीटने के मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर व्यापारियों व भाजपा नेताओं ने मोदीनगर थाने पर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि पुलिस मामले में लापरवाही बरत रही और आरोपी खुले घूम रहे हैं। बता दें कि नगर की गुरुनानकपुरा कॉलोनी निवासी नितिन मितल के साथ तीन दिन पहले युवा भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष रोहित सक्सेना ने अपने साथियों के साथ मारपीट की थी। मामले में भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष रोहित सक्सेना समेत 13 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। बुधवार को भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंहल सहित सैकड़ों व्यापारी व भाजपा कार्यकर्ता एकत्र होकर मोदीनगर थाने पहुंचे और जमकर हंगामा किया। उनका कहना है कि पुलिस की आरोपियों से मिलीभगत है। आरोपी खुलेआम घूम रहे और घमकी भी दे रहे हैं। थानाप्राभारी ने जल्द आरोपियों की गिरफ्तार करने का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। एसीपी मोदीनगर का कहना है कि मामले में जांच चल रही है। जल्द ही कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कट स्थुलवाने की मांग को लेकर कर्मचारियों ने किया हंगामा

मोदीनगर(प्रज्ञात समाचार)। मोदी मंदिर के सामने का कट खुलवाने की मांग को लेकर बुधवार दोपहर तीन बजे फैक्टियों के कर्मचारियों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने उन्हें समझा बुझाकर शांत किया। बता दें कि कांवड़ यात्रा के चलते मोदीनगर शहर के सभी कट बंद हो गए हैं। लोगों ने पांच किलोमीटर घूमकर यर्टन लेना पड़ रहा है। कट बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोदी समूह की फैक्टियों में सैकड़ों कर्मचारी काम करते हैं। उन्हें आने जाने भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को कर्मचारियों ने मोदी मंदिर के सामने वाला कट खुलवाने की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। हंगामा बढ़ने की सूचना पर मौके पर पहुंचे थानाप्रभारी ने उन्हें समझा बुझाकर शांत किया। इसके बाद कर्मचारी चले गए

धोखाधड़ी कर कंपनी के निदेशक ने हड़प्पे 57 लाख रुपए

मोदीनगर(प्रज्ञात समाचार)। लोहे एवं इस्पात उत्पादों की सप्लाई के बदले 57.70 लाख रुपये के भुगतान को लेकर एन निजी कंपनी ने नॉर्वे दिशा इफ्रा प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक दत्तात्रेय आनंद मोरे के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाते रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोदीनगर स्थित एमबुक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि सुशांत सिंह की तहरीर पर दर्ज रिपोर्ट में कहा गया है कि आरोपी कंपनी ने क्रेडिट पर लोहे एवं इस्पात उत्पादों की आपूर्ति कराई। भुगतान का भरोसा दिलाकर 57,70,207 रुपये का माल लिया गया, लेकिन केवल पांच लाख रुपये का भुगतान किया गया। इसके बाद भी 52,70,207 रुपये की राशि बकाया है। कई बार मांगने पर भी भुगतान नहीं किया गया है। एसीपी मोदीनगर का कहना है कि मामले में डीसीपी ग्रामीण के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच में साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

दुकान दिलाने के नाम पर ठगो सवा सात लाख रुपए

मोदीनगर(प्रज्ञात समाचार)। नगर की गोविंदपुरी कॉलोनी निवासी एक व्यापारी से दुकान को दिलाने का झांसा देकर 7.38 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर की गोविंदपुरी कॉलोनी निवासी अमित कुमार ने बताया कि वह कॉलोनी में खोखे में किसाना की दुकान करके परिवार का लालन पालन करता था। अमित कुमार ने बताया कि मेरे खोखे पर रविंद्र तोमर नाम व्यक्ति आता था। उसका कहना कि यदि तुम अपना खोखा हटा तो मैंने तुम्हें पक्की दुकान बनाकर दूंगा। इसके बाद अमित ने उसे 738750 रुपए दे दिए। काफ़ी समय बीत जाने के बाद भी जब दुकान नहीं मिली तो ताकदा किया। अब आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहा है। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रविंद्र तोमर डबलस्टोरी कॉलोनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में बुजुर्ग घायल

मोदीनगर(प्रज्ञात समाचार)। गांव सीकरी खुर्द में तेज रफ्तार कार ने बुजुर्ग को टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव सीकरी खुर्द निवासी 80 वर्षीय ज्ञानचंद्र गली में नल के पास बैठे थे। इसी बीच तेज रफ्तार कार आई और टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आशु निवासी गांव सीकरी खुर्द के खिलाफ मुकदमा

जिंदगी की जंग हार गया अजिम, कांवड़ियों के साथ आए आटो चालक ने की थी मारपीट

ब्रजघाट (प्रज्ञात समाचार)। छह दिन पूर्व कांवड़ मार्ग पर मारपीट के दौरान घायल हुआ पिकअप चालक आखिर दिल्ली के अस्पताल में जिंदगी की जंग हार गया। उसका छह दिन से उपचार चल रहा था। उसकी मौत के बाद परिवार के लोगों में कोहराम मच गया है। बता दें कि जनपद मुरादाबाद के थाना भोजपुर के लालुवाला निवासी इंतजार ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उल्लेख किया कि उनका बेटा अजीम पिकअप गाड़ी चलाकर परिवार का पालन पोषण करता है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह को उनका बेटा पिकअप गाड़ी को लेकर दिल्ली के लिए जा रहा था। जसे ही वह गढ़ क्षेत्र टोल प्लाजा के निकट पहुंचा तो साइड में खड़े ऑटो से उसके बेटे की गाड़ी की साइड लग गई। इसी बात से नाराज ऑटो चालक फरमान, ऑटो में सवार यात्री मनीष, अर्जुन, लोकेश, शिवम निवासी गांव बड़ैडा खुर्द थाना पिलखुवा ने तीन बार अज्ञात लोगों के साथ मिलकर अजीम पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में उनका बेटा घायल हो गया। घायल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से उसकी गंभीर दशा को देखकर मेरठ के लिए रेफर कर दिया, जहां से उसको दिल्ली के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

हर घर तिरंगा अभियान 10 अगस्त से होगा शुरु : विकास अग्रवाल

हापुड़ /शामली (प्रज्ञात समाचार)। हर घर तिरंगा, घर-घर का तिरंगा जिला कार्यशाला शामली में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री व जिला प्रभारी डॉ. विकास अग्रवाल ने कहा कि यह अभियान हर वर्ष की भांति 10 अगस्त से 14 अगस्त तक होगा। इसमें हर जिले पर मंडलों में तिरंगा यात्रा निकालेंगे, शहीद सैनिक, पुलिस कर्मी के परिवार जनों का सम्मान करेंगे और महापुरुषों की प्रतिमा पर स्वच्छता कर माल्याण के कार्यक्रम होंगे और 12, 13, 14 अगस्त को प्रत्येक कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगा करके अभिवादन करेंगे, सेल्फी लेंगे और 14



शिव भक्तों की आस्था मुरादनगर की सड़कों पर शिव भक्तों की धूम, गूंज रहे बम-बम भोले के जयकारे



रंग बिरंगी लाइटों से सजा मेरठ रोड, कांवड़ियों की सेवा में जुटे शहर वासी

प्रज्ञात समाचार

मुरादनगर। सावन में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा है। कांधे पर कांवड़ उठाए कांवड़िये अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं। पूरा शहर शिवमय हो गया है। चारों तरफ बम-बम भोले की गूंज है। शिवभक्तों के स्वागत को दिल्ली मेरठ रोड कांवड़ मार्ग रंगीन लाइटों से सजा है। जगह जगह कांवड़ सेवा शिविर लगे हैं जिनमें शहरवासी सेवा में जुटे हैं। एक हाथ में तिरंगा और दूसरे

में कावड़ लेकर जाते शिव भक्त लोगों की आस्था बढ़ा रहे हैं इस दौरान रंग बिरंगी कावड़ आकर्षण का केंद्र बन रही है। इतना ही नहीं रास्ते में लोग भक्तों का बोल बम बम के घोष से उत्साह बढ़ा रहे हैं।हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटते हजारों शिवभक्तों के बोल बम के जयकारों से मुरादनगर कावड़ मार्ग गूंज रहा है। हजारों कांवड़िये शहर से होकर गुजर चुके हैं, जिससे माहौल पूरी तरह शिवमय हो गया है। शहर से गुजरने वालों में हरियाणा, राजस्थान सहित विभिन्न जिलों के कांवड़ियों की संख्या अधिक है। जगह-जगह लगे सेवा

12 अगस्त को तिरंगामय होगा खेकड़ा : नीलम धामा



प्रज्ञात समाचार

खेकड़ा। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर भाजपा ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की तैयारी तेज कर दी है। शुरुवार को नगर पालिका खेकड़ा कार्यालय सभागार में आयोजित भाजपा की मासिक बैठक में कार्यकर्ताओं को अभियान की जिम्मेदारियां सौंपते हुए 12 अगस्त को खेकड़ा में भव्य तिरंगा यात्रा निकालने की घोषणा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि जनपद में दो लाख तिरंगे वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कांवड़ यात्रा को लेकर कोतवाली पुलिस अलर्ट, किया पैदल गस्त



खेकड़ा। पुलिस कप्तान सूरज कुमार राय के निर्देशन में कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी बीच कोतवाली प्रभारी आशीष पुंडीर और रटौल चौकी प्रभारी संजीव कुमार ने टीम के साथ पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। और आमजन को सुरक्षा का एहसास कराते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई।

प्रज्ञात समाचार

हापुड़। डीएम कविता मीना व एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का संयुक्त रुप से जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने पुलिस लाइन स्थित एकीकृत कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने कंट्रोल रूम में स्थापित उड्डयन कैमरों के माध्यम से कांवड़ मार्ग, शिविरों एवं संवेदनशील स्थानों की लाइव मॉनिटरिंग की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 24x7 सतर्कता बरती जाए तथा किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होते ही 5 मिनट के अंदर मौके पर टीम पहुंचे।

आदर्श कांवड़ शिविरों में पहुंचे डीएम व एसपी नगर पालिकाओं द्वारा स्थापित आदर्श कांवड़ शिविरों का डीएम व एसपी ने निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने शिविरों में कांवड़ियों के लिए उपलब्ध

कांवड़ियों को देखने के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़:

मुरादनगर बस स्टैंड रेलवे रोड पर कांवड़ियों को देखने और उनका स्वागत करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्था के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। पुलिसकर्मियों की तेनाती की गई है और अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

बारिश भी नहीं रोक पाई शिवभक्तों के कदम बढ़ते रहे मंजिल की ओर:

सावन माह में निकली कांवड़ यात्रा अपने चरम पर है। दिनभर हुई मूसलाधार बारिश भी शिवभक्तों की अटूट आस्था के आगे बेअसर साबित हुई। भीगते हुए भी हजारों कांवड़िये 'बम-बम भोले' और 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयघोष के साथ दिल्ली मेरठ रोड और पाण्डेलाइन मार्ग से अपने-अपने शिवालयों की ओर बढ़ते रहे। वहीं आगामी 11 अगस्त को महाशिवरात्रि के पवन पर्व पर भावान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। इसी उद्देश्य से श्रद्धालु हरिद्वार, गंगोत्री, गोमुख, नीलकंठ और ऋषिकेश सहित विभिन्न पवित्र तीर्थों से गंगाजल लेकर लौट रहे हैं।

शिव कावड़ सेवा समिति के शिविर में पहुंचे विधायक अजीत पाल त्यागी

विभिन्न शिविरों में शिवभक्त बीजे की भक्ति धुनों पर झूमते नजर आ रहे हैं। भोले के भजनों पर थिरकते भक्तों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। दिल्ली मेरठ रोड पर लगे सेवा शिविर में शिवभक्तों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।शिव कावड़ सेवा समिति के संरक्षक संजीव त्यागी ने बताया कि शिविर में भंडारे की व्यवस्था के अंतर्गत कांवड़ियों को विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन परोसे जा रहे हैं। शिविर में चिकित्सा आदि सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।शिव कावड़ सेवा समिति के विशाल कावड़ सेवा शिविर में दूसरे दिन मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी भी पहुंचे। समिति के सेवा कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की।

शिविरों में श्रद्धालु दिन-रात कांवड़ियों की सेवा में जुटे हैं। शिविरों में चाय, नाश्ता, भोजन, दवाइयां, स्नान आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं। इन शिविरों में शिवभक्ति के गीतों पर झूमते

कांवड़िये यात्रा को आनंदमयी बना रहे हैं।कांवड़ मार्ग को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है। शाम के समय यह मार्ग दीपावली की तरह रोशन हो जाता है।

पुराने बाजार में गोली चलने से हड़कंप

गौतमबुद्धनगर(प्रज्ञात समाचार)। जहागीरपुर कस्बे के पुराने बाजार स्थित चौराहे पर बुधवार को गोली चलने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना में उमर पुत्र इस्पाक, निवासी मोहल्ला लिख्खी लाटा, जहागीरपुर, गोली लगने से घायल हो गया।घायल को पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। गोली चलने का कारण जमीन के रुएए के लेन देन का विवाद बताया जा रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच, प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ तथा अन्य साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। घटना के बाद बाजार क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।एसीपी (जैवर)राजीव कुमार सिसोदिया का कहना है कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है।



व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस, प्रशासन और स्वयंसेवी संगठन लगातार व्यवस्था बनाए रखने में जुटे हुए हैं ताकि लाखों शिवभक्त बिना किसी परेशानी के अपनी यात्रा पूरी कर सकें। इस दौरान मुरादनगर ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी सहित समाजसेवी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा, अभियान से तिरंगामय होगा बागपत, तैयारियां जोर शोर से

प्रज्ञात समाचार

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लागत के निर्देशन में गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने विकास भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि जनपद में 02 लाख तिरंगे तैयार करने का



लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस कार्य में 92 स्वयं सहायता समूहों के 790 दैदियां पूरी लगन और तत्परता के साथ तिरंगा निर्माण में जुटी हुई हैं। यह अभियान केवल राष्ट्रभक्ति की

भावना को सशक्त नहीं करेगा बल्कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्म निर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

ब्रजघाट गंगा तट पर व्यवस्थाओं को परखा

डीएम कविता मीना व एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने आज ब्रजघाट गंगा तट निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने घाट पर कांवड़ियों के लिए की गई सुरक्षा एवं सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्नान कर रहे कांवड़ियों से सीधे संवाद कर घाट पर उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। डीएम ने कहा कि गंगा का जलस्तर बढ़ने के दृष्टिगत प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। प्रत्येक कांवड़िए की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कराई गई सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने ने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि

शिविरों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। कांवड़ियों की सेवा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। शिवरो में कांवड़ियों को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

जातिगत आरक्षण से आगे बढ़कर न्याय का समय

भारत का संविधान समानता, सामाजिक न्याय और अवसरों की समान उपलब्धता के सिद्धांत पर आधारित है। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय देश के निर्माताओं ने यह स्वीकार किया कि सदियों से सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता का सामना करने वाले समुदायों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष संवैधानिक प्रावधान आवश्यक हैं। इसी सोच के अंतर्गत अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई। उस समय यह भी अपेक्षा थी कि यह व्यवस्था संविधान लागू होने से 10 वर्ष की अवधि के लिए एक संक्रमणकालीन उपाय होगी, जो समाज में समान अवसर स्थापित होने तक सहायक बनेगी। आज, स्वतंत्रता के आठ दशकों के बाद यह प्रश्न फिर से गंभीरता से उठ रहा है कि क्या वर्तमान आरक्षण व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य की दिशा में अपेक्षित परिणाम दे सकी है, अथवा अब समय आ गया है कि इसकी समीक्षा कर इसे अधिक व्यापक, न्यायसंगत और आवश्यकता-आधारित बनाया जाए। यह एक कड़वा सत्य है कि देश में करोड़ों ऐसे गरीब परिवार हैं जो किसी भी आर्थिक वर्ग में नहीं आते, फिर भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों से वंचित हैं। ऐसे अनेक बच्चे हैं जिनके माता-पिता नहीं हैं, जो दिव्यांग हैं, जिनका परिवार अत्यंत निर्धन है, या जो दूरदराज के क्षेत्रों में संसाधनों के अभाव में जीवन संघर्ष कर रहे हैं। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती उनकी जाति नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ हैं। यही कारण है कि आज जातिगत आरक्षण के स्थान पर आवश्यकता-आधारित आरक्षण अथवा विशेष अवसरों की व्यवस्था पर गंभीर राष्ट्रीय विमर्श होना चाहिए। यदि किसी बच्चे के पास पढ़ने के लिए विद्यालय नहीं, रहने के लिए सुरक्षित घर नहीं, भोजन की नियमित व्यवस्था नहीं और परिवार का सहारा भी नहीं है, तो उसके लिए सबसे बड़ी पहचान उसकी जाति नहीं बल्कि उसकी वंचित स्थिति है। ऐसे बच्चों को यदि उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं, तकनीकी प्रशिक्षण और सरकारी नौकरियों में विशेष अवसर नहीं मिलेंगे, तो सामाजिक न्याय का उद्देश्य अधूरा ही रहेगा। भारतीय समाज में यह स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि आरक्षण का लाभ कई परिवारों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी मिलता रहता है, जबकि उसी वर्ग के अनेक अन्यत्र गरीब और पिछड़े परिवार आज भी लासे से वंचित रह जाते हैं। यह विंगसंगत नीति-निर्माताओं के लिए विचार का विषय होना चाहिए कि लाभ वास्तव में सबसे अधिक जरूरतमंद तक कैसे पहुँचे। खेतों में मजदूरी करने वाला गरीब किसान, फुटपाथ पर जीवन बिताने वाला परिवार, अनाथालय में पल रहा बच्चा, दुर्घटना में माता-पिता खो चुका विद्यार्थी, गंभीर दिव्यांगता के साथ संघर्ष कर रहा युवा तथा अत्यंत पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लाखों नागरिक अवसरों की कमी से जूझ रहे हैं। यदि राज्य का उद्देश्य वास्तव में समान अवसर उपलब्ध कराना है, तो इन वर्गों के लिए भी सशक्त संवैधानिक और नीतिगत व्यवस्थाएँ विकसित की जानी चाहिए। विशेष रूप से अनाथ बच्चों की स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। उनका कोई पारिवारिक संरक्षण नहीं होता। वेतन सामाजिक पूंजी के सहारे आगे बढ़ पाते हैं और न आर्थिक संसाधनों के बल पर। ऐसे बच्चों के लिए विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक, प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर सरकारी सेवाओं तक, विशेष अवसर और आरक्षण जैसी व्यवस्थाओं पर गंभीर विचार किया जाना चाहिए। यही बात दिव्यांग बच्चों पर भी लागू होती है। वे जीवन की शुरुआत ही अतिरिक्त चुनौतियों के साथ करते हैं। उन्हें केवल सहायभूति नहीं, बल्कि संस्थागत सहयोग और पर्याप्त प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। गरीबी भी अवसरों की सबसे बड़ी शत्रु है। आर्थिक अभाव प्रतिभा को जन्म लेने से पहले ही कुचल देता है। कितने ही मेधावी विद्यार्थी केवल इसलिए उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते क्योंकि उनके परिवार के पास फीस, पुस्तकें या आवास की व्यवस्था करने के लिए संसाधन नहीं होते। ऐसे में आवश्यकता-आधारित विशेष अवसर सामाजिक न्याय की अवधारणा को और अधिक व्यापक बना सकते हैं। यह भी आवश्यक है कि आरक्षण को केवल सीटों की संख्या तक सीमित न रखा जाए। गुणवत्तापूर्ण विद्यालय, बेहतर शिक्षक, डिजिटल संसाधन, छात्रावास, छात्रवृत्ति, कोशल प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन और रोजगारपरक शिक्षा जैसी सुविधाएं अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकती हैं। यदि प्रारंभिक स्तर पर ही अवसरों की समानता सुनिश्चित कर दी जाए, तो भविष्य में असमानता स्वाभाविक रूप से कम होने लगेगी। नीति-निर्माताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती संतुलन स्थापित करने की है। एक ओर उन समुदायों के ऐतिहासिक सामाजिक भेदभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जिनके लिए संविधान में विशेष संरक्षण की व्यवस्था की। दूसरी ओर वर्तमान समय की नई सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि व्यापक आँकड़ों, सामाजिक अनुसंधान और राष्ट्रीय सहमति के आधार पर समय-समय पर समीक्षा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सहायता का लाभ वास्तव में सबसे अधिक जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुँचे। लोकतंत्र की शक्ति उसकी संवाद क्षमता में निहित होती है। किसी भी सार्वजनिक नीति पर विचार करना संविधान-विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। आरक्षण पर भी बहस भावनाओं के बजाय तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर होनी चाहिए। समाज की विभाजित करने के बजाय ऐसी व्यवस्था विकसित करने का प्रयास होना चाहिए, जिसमें सामाजिक न्याय, समान अवसर और मानवीय गरिमा—तीनों का संतुलन बना रहे। भारत को आज ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो हर उस व्यक्ति का हाथ थामें जो वास्तव में पीछे छूट गया है।

— कटाक्ष | सुरेश मिश्र

घन बरसें,बरसें नयन, करत मोर-हिय शोर
पोर-पोर टूटन लगे, मै सुरेश मंगरोर
मै सुरेश मंगरोर, लगा है जब से सावन
चले व दित्त पर जोर,धाम लावें मनभावन
कह सुरेश कविराय सेज पर बिरहिन तरसे
दिल में आग लगाय, सखी सावन घन बरसे

पिछले कुछ समय

से हमारी थाली में

परोसे जा रहे इस

पारंपरिक उत्पाद

के पीछे 'एनालॉग

पनीर' यानी

कृत्रिम पनीर का

एक ऐसा घालमेल

पैठ बना चुका है,

जिसने न केवल

उपभोक्ताओं के

विश्वास को तोड़ा है,

बल्कि जनस्वास्थ्य

के सामने भी एक

गंभीर चुनौती खड़ी

कर दी है।

आस्था

भारतीय संस्कृति का

अभिन्न अंग

भारत को विश्व की सबसे

प्राचीन ज्ञान-परंपराओं

वाला देश माना जाता है।

शून्य की खोज, दशमलव प्रणाली,

आयुर्वेद, खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान

और गणित में भारत का योगदान विश्व

इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

आर्यभट्ट ने ग्रहों की गति का वैज्ञानिक

अध्ययन किया, चरक और सुश्रुत ने

चिकित्सा विज्ञान को नई दिशा दी और

नाट्यंदा तथा तक्षशिला जैसे

विश्वविद्यालयों ने पूरी दुनिया को ज्ञान

प्रदान किया। विडंबना यह है कि जिस

देश की पहचान कभी वैज्ञानिक

जिज्ञासा और ज्ञान के कारण थी, उसी

देश में आज वैज्ञानिक चेतना के क्षरण

की चिंता बढ़ती जा रही है। यह चिंता

केवल इसलिए नहीं है कि लोग

धार्मिक स्थलों पर अधिक जा रहे हैं,

बल्कि इसलिए है कि तर्क, प्रमाण और

वैज्ञानिक सोच का स्थान धीरे-धीरे

भावनाएँ, चमत्कारों की अपेक्षा और

अप्रमाणित दावों पर विश्वास लेते

दिखाई दे रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक

और आधुनिक समाज के लिए यह

प्रवृत्ति दीर्घकाल में विकास के लिए

बाधक सिद्ध हो सकती है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद

51(क) (ह) में प्रत्येक नागरिक का

मूल कर्तव्य बताया गया है कि वह

वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद तथा

जिज्ञासा एवं सुधार की भावना का

विकास करे। दुर्भाग्य से यह

संवैधानिक आदर्श हमारे सामाजिक

व्यवहार में पर्याप्त रूप से परिलक्षित

नहीं होता। आज भी बीमारी का

उपचार वैज्ञानिक चिकित्सा से अधिक

चमत्कारिक उपायों में खोजा जाता है,

ग्रह-नक्षत्रों के नाम पर अनेक आर्थिक

और सामाजिक निर्णय लिए जाते हैं

और सोशल मीडिया पर बिना किसी

वैज्ञानिक प्रमाण के फैलाए गए संदेश

लाखों लोगों द्वारा सत्य मान लिए जाते

सम्पादकीय

पनीर के नाम पर पाम ऑयल का खेल

भारतीय जनमानस के खान-पान में दूध और उससे बने उत्पादों का स्थान केवल पोषण तक सीमित

नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और दैनिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। विशेष रूप से शाकाहारी आबादी के लिए पनीर प्रोटीन और कैल्शियम का सबसे विश्वसनीय और सुलभ स्रोत माना जाता रहा है। त्योहारों का उल्लास हो, घर में मेहमानों का आगमन या फिर किसी रेस्टोरेंट का मेन्यू, पनीर की मौजूदगी अनिवार्य सी होती है। लेकिन पिछले कुछ समय से हमारी थाली में परोसे जा रहे इस पारंपरिक उत्पाद के पीछे 'एनालॉग पनीर' यानी कृत्रिम पनीर का एक ऐसा घालमेल पैठ बना चुका है, जिसने न केवल उपभोक्ताओं के विश्वास को तोड़ा है, बल्कि जनस्वास्थ्य के सामने भी एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस कृत्रिम विकल्प के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लगाने के बाद, अब गुजरात सरकार ने भी इस विषय पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। गुजरात, जो देश में श्वेत क्रांति का अगुआ और डेयरी उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र रहा है, वहाँ इस प्रकार के नकली पनीर का बड़े पैमाने पर पकड़ा जाना और उस पर प्रतिबंध का फैसला होना यह साबित करता है कि समस्या कितनी गहरी और व्यापक हो चुकी है। यह कदम केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि यह देश के खाद्य सुरक्षा तंत्र, उपभोक्ता अधिकारों और पारंपरिक डेयरी उद्योग को बचाने के लिए एक आवश्यक शल्य-क्रिया (सर्जरी) की तरह है। आम उपभोक्ता के लिए 'एनालॉग' शब्द तकनीकी लग सकता है, लेकिन इसका सीधा और सरल अर्थ है—एक ऐसा छलावा जो दिखाता असली पनीर जैसा है, लेकिन जिसका दूध से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं होता। असली पनीर का निर्माण पूरी तरह से शुद्ध दूध को फाड़कर किया जाता है, जिसमें दूध का गाढ़ा प्रोटीन और वसा शामिल होते हैं। इसके विपरीत, एनालॉग पनीर एक पूर्णतः औद्योगिक और रासायनिक प्रक्रिया का परिणाम है। इसमें दूध के बहुमूल्य फैट को निकालकर उसके स्थान पर सस्ते और रिफाईंड पाम ऑयल या अन्य वनस्पति तेलों का



उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, इसकी बनावट और बनावटी कड़ेपन को असली पनीर जैसा दिखाने के लिए भारी मात्रा में स्टार्च, रासायनिक इमल्सिफायर्स, और कृत्रिम रंगों व सुगंधों का मिश्रण किया जाता है। व्यवसाय जगत और मुनाफाखोरों के लिए यह उत्पाद किसी वरदान से कम नहीं था। जहाँ असली पनीर को बनाने में भारी मात्रा में शुद्ध दूध की आवश्यकता होती है और उसकी उत्पादन लागत स्वाभाविक रूप से अधिक होती है, वहीं एनालॉग पनीर चंद रसायनों और सस्ते आयातित पाम ऑयल की मदद से बेहद कम लागत में तैयार हो जाता है। बाजार के गणित को समझे, तो असली पनीर की तुलना में यह कृत्रिम पनीर लगभग आधी या उससे भी कम कीमत पर बनकर तैयार हो जाता है। इसी भारी मुनाफे के लालच ने इसे देश भर के होटलों, ढाबों, स्ट्रीट फूड वेंडरों और पिज्जा-बर्गर चेन तक पहुँचा दिया।

उपभोक्ता अनजाने में जिसे एक पौष्टिक आहार समझकर खा रहा था, वह वास्तव में रसायनों और सस्ते तेल का एक खतरनाक कोलाज था। एनालॉग पनीर का सबसे चिंताजनक पहलू इसका मानवीय स्वास्थ्य पर पड़ने वाला दीर्घकालिक और विनाशकारी प्रभाव है। चिकित्सा विज्ञान और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, पाम ऑयल और रिफाईंड वनस्पति तेलों को जब उच्च तापमान पर बार-बार संसोधित किया जाता है, तो वे ट्रांस-फैट और सैचुरेटेड फैट

में बदल जाते हैं। यह वसा हमारे शरीर के लिए एक धीमे जहर की तरह काम करती है। इसका नियमित सेवन रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को तेजी से बढ़ाता है, जिससे धमनियों में रुकावट पैदा होती है और कम उम्र में ही हृदय रोग व पल्स स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त, इस कृत्रिम पनीर को लंबे समय तक खराब होने से बचाने और उसकी बनावट को बनाए रखने के लिए जिन रासायनिक प्रिजर्वेटिव्स और इमल्सिफायर्स का उपयोग किया जाता है, वे हमारे पाचन तंत्र, लीवर और किडनी पर सीधा प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। बच्चों और युवाओं में बढ़ती मोटापे की समस्या, पैटी लीवर और चयापचय (मेटाबॉलिज्म) से जुड़ी बीमारियों के पीछे इस तरह के छिपे हुए कृत्रिम खाद्य पदार्थों की एक बड़ी भूमिका है। असली पनीर जहाँ शरीर को आवश्यक अमीनो एसिड, कैल्शियम और विटामिन प्रदान करता है, वहीं यह एनालॉग पनीर शरीर को केवल खाली कैलोरी और हानिकारक वसा देता है। यह स्थिति और भी गंभीर तब हो जाती है जब कुपोषण से लड़ रहे बच्चों या प्रोटीन की कमी से जूझ रहे मरीजों को अनजाने में यह नकली उत्पाद परोस दिया जाता है, जिससे उनके शरीर को आवश्यक पोषण मिलने के बजाय नई बीमारियाँ उपहार में मिल जाती हैं। खाद्य सुरक्षा के नियमों के अनुसार, किसी भी उत्पाद को बेचते समय उसके पैकेट पर स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए कि वह क्या है।

आस्था भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग



हैं। यह भी सत्य है कि देश में धार्मिक आयोजनों, मंदिरों और विभिन्न आध्यात्मिक गुरुओं के प्रवचनों में भारी भीड़ उमड़ रही है। आस्था भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और उसका सम्मान होना चाहिए। किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है जब आस्था तर्क का स्थान लेने लगे या वैज्ञानिक तथ्यों को चुनौती देने लगे। इतिहास बताता है कि भारतीय दर्शन ने भी प्रश्न पछुने और सत्य की खोज को परंपरा को कभी नहीं रोका। इसलिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आध्यात्मिकता परस्पर विरोधी नहीं हैं; विरोध तब है जब अंधविश्वास विज्ञान पर हावी होने लगे। शिक्षा व्यवस्था की स्थिति भी चिंता का विषय है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में विज्ञान तथा गणित की पढ़ाई का स्तर लगातार चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अनेक स्थानों पर प्रयोगशालाएँ केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं। विद्यार्थियों को प्रयोग करने, मॉडल बनाने, अनुसंधान करने और समस्याओं का समाधान खोजने की प्रेरणा कम मिलती है। विज्ञान की शिक्षा रटने तक सीमित हो गई है, जबकि वैज्ञानिक सोच प्रयोग, प्रश्न और खोज की संस्कृति से विकसित होती है। यह कहना उचित नहीं होगा कि इतिहास, साहित्य, राजनीति विज्ञान या अन्य कला विषय महत्वहीन हैं। एक विकसित समाज को वैज्ञानिकों के साथ-साथ इतिहासकारों,

अर्थशास्त्रियों, समाजशास्त्रियों और

साहित्यकारों की भी आवश्यकता होती है।

वास्तविक समस्या विषयों के महत्व की नहीं, बल्कि विज्ञान और

गणित के प्रति घटती रुचि तथा अनुसंधान की कमजोर होती संस्कृति

की है। यदि विज्ञान और गणित में उत्कृष्ट प्रतिभाएँ कम होंगी तो देश की

तकनीकी क्षमता भी सीमित हो जाएगी।

भारत की सबसे बड़ी कमजोरी शोध एवं विकास पर होने वाला कम निवेश

है। किसी भी देश की वैज्ञानिक प्रगति का सबसे बड़ा मापदंड यह है कि वह

अनुसंधान पर कितना व्यय करता है। इस दृष्टि से भारत अभी भी अग्रणी

देशों से काफी पीछे है। उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय आँकड़ों के अनुसार भारत

अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल लगभग 0.6 से 0.7

प्रतिशत अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करता है। इसके विपरीत

इज़राइल लगभग 6.8 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया लगभग 5.1 प्रतिशत, संयुक्त

राज्य अमेरिका लगभग 3.4 प्रतिशत, चीन लगभग 2.6 से 2.7 प्रतिशत,

जबकि ओईसीडी देशों का औसत लगभग 2.7 प्रतिशत है। अर्थात् भारत

की तुलना में दक्षिण कोरिया लगभग आठ गुना, इज़राइल लगभग दस गुना

और चीन लगभग चार गुना अधिक अनुपात में शोध पर निवेश करता है।

यही कारण है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सैमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी, रक्षा

तकनीक, हरित ऊर्जा, रोबोटिक्स और

चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में विश्व के अग्रणी आविष्कार मुख्यतः इन्हीं

देशों से सामने आते हैं। भारत ने भी अंतरिक्ष, डिजिटल भूतान्त, वैकसीन

निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं,

परंतु समग्र शोध संस्कृति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच सकी है।

एक गंभीर समस्या प्रतिभा पलायन की भी है। देश के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी उच्च

शिक्षा और शोध के लिए विदेशों का रुख करते हैं। इसका कारण केवल

अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर प्रयोगशालाएँ, पर्याप्त शोध अनुदान,

आधुनिक उपकरण और स्वतंत्र अनुसंधान का वातावरण भी है। यदि

भारत को विश्व स्तरीय शोध शक्ति विकसित देशों में निजी उद्योग

अनुसंधान को प्रमुख वित्तपोषक होता है। भारतीय उद्योगों को अनुसंधान एवं

नवाचार में अधिक निवेश करना होगा। विश्वविद्यालय, उद्योग और

अनुसंधान संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी समय की सबसे बड़ी

आवश्यकता है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव

प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान का युग है। भविष्य की वैश्विक

अर्थव्यवस्था उन्हीं देशों के हाथ में होगी जो ज्ञान और नवाचार में अग्रणी

होंगे। यदि भारत केवल उपभोक्ता बना रहे और नई तकनीकों का निर्माण

नहीं बन पाया, तो विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य कठिन हो जाएगा। मीडिया

की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

● साभार

pragyatsamachar@yahoo.com

सप्ताहिक समाचार पत्र

4

यदि कोई उत्पाद 'एनालॉग' या नॉन-डेयरी है, तो उसे 'पनीर' के नाम से नहीं बेचा जा सकता। उसे 'वेजिटेबल फैट ब्लेंड' या ऐसा ही कोई तकनीकी नाम देना अनिवार्य है। लेकिन भारतीय खाद्य बाजार की जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल जुदा रही है। मुनाफाखोरी के इस पूरे खेल में पारदर्शिता को पूरी तरह से ताक पर रख दिया गया। थोक बाजारों से लेकर खुदरा दुकानों और रेस्टोरेंट के किचन तक, इस उत्पाद को सरेआम 'सस्ता पनीर' या 'स्पेशल पनीर' बताकर खपया गया। यह सीधे तौर पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत दिए गए 'जानने के अधिकार' और 'भ्रामक विज्ञापनों व प्रथाओं के खिलाफ अधिकार' का घोर उल्लंघन है। जब एक ग्राहक किसी रेस्टोरेंट में पनीर की सब्जी या पिज्जा के लिए भारी-भरकम भुगतान करता है, तो वह यह उम्मीद करता है कि उसे शुद्ध और पौष्टिक डेयरी उत्पाद दिया जा रहा है। उसे यह कभी नहीं बताया जाता कि उसकी थाली में जो तैर रहा है, वह दूध से नहीं बल्कि पाम ऑयल और स्टार्च से बनी एक कतरन है। यह आर्थिक धोखाधड़ी तो है ही, साथ ही यह जन-विश्वास के साथ किया गया एक अक्षय्य अपराध भी है। महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में इस प्रतिबंध का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक आयाम है—हमारी डेयरी अर्थव्यवस्था की सुरक्षा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक पशुपालन और डेयरी उद्योग पर टिकी हुई है। करोड़ों छोटे और सीमांत किसान दूध बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। जब बाजार में दूध से बनने वाले असली उत्पादों के स्थान पर रसायनों और आयातित पाम ऑयल से बने सस्ते विकल्प अवैध रूप से हावी होने लगे हैं, तो इसका सीधा असर दूध की मांग और उसकी कीमतों पर पड़ता है। यदि संश्लिष्ट और एनालॉग पनीर इसी तरह बाजार पर कब्जा जमाए रखते, तो डेयरी सहकारी समितियों और निजी डेयरियों के लिए किसानों से सही कीमत पर दूध खरीदना नामुमकिन हो जाता।

● साभार

भवावा रंग में रंगी कड़कें

श्रावण का महीना आते ही उत्तर भारत की सड़कें भवावा रंग में रंग उठती हैं। लाखों-करोड़ों श्रद्धालु गंगाजल लेकर भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए निकल पड़ते हैं। यह केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि भारतीय लोकजीवन की आस्था, तप, अनुशासन और सामूहिक विश्वास का विराट् उत्सव है किंतु हर वर्ष इस यात्रा के साथ एक प्रश्न भी समानांतर चलता है—क्या हमारी आस्था उतनी ही संयमित है, जितनी प्रबल है? यह प्रश्न इसलिए उठता है क्योंकि कांवड़ यात्रा के दो चेहरे दिखाई देते हैं। पहला चेहरा उस साधारण कांवड़िये का है जो सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर कठिन तपस्या के साथ शिवधाम की ओर बढ़ता है। दूसरा चेहरा उन कुछ लोगों का है जो इसी यात्रा की आड़ में सड़क को अनाथ अधिकार, कानून को अपनी सुविधा और धर्म को अपनी डाल समझ बैठते हैं। दुर्भाग्य यह है कि दूसरे चेहरे की कुछ घटनाएँ पहले चेहरे की लाखों तपस्याओं पर भारी पड़ जाती हैं। धर्म और धार्मिक आयोजन एक ही बात नहीं हैं। धार्मिक आयोजन में भी अधर्म प्रवेश कर सकता है। जब नशा श्रद्धा का स्थान ले ले, जब भक्ति की जगह शक्ति प्रदर्शन होने लगे, जब किसी विवाद का उत्तर हिंसा बन जाए, जब महिलाओं के साथ अभद्रता या छेड़खानी की घटनाएँ सामने आएँ, जब सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना "जोश" कहलाने लगे, तब समस्या कांवड़ यात्रा की नहीं बल्कि उसमें प्रवेश कर रहे अधर्म की होती है। इतना ही नहीं, कुछ स्थानों पर कांवड़ यात्रा के दौरान मार्गों पर फैली प्लास्टिक, भोजन के अवशेष और अन्य कचरे का बोझ उन नगरों और कस्बों को कई दिनों तक उड़ाना पड़ता है, जहाँ से यात्रा गुजरती है। कई शहरों में घंटों और कभी-कभी दिनों तक लगने वाले जाम से आम नागरिकों का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। एम्बुलेंस तक प्रभावित होती हैं, विद्यार्थियों की परीक्षाएँ और कर्मचारियों की इयूटी प्रभावित होती है, छोटे व्यापारियों का कारोबार ठप पड़ जाता है। धार्मिक आस्था का सम्मान आवश्यक है, लेकिन किसी भी आस्था का मूल्य दूसरे नागरिक के अधिकारों की कीमत पर नहीं चुकाया जा सकता। कुछ घटनाओं में दुकानदारों के साथ मारपीट, पहचान के आधार पर भेदभाव या संप्रदाय विशेष के नाम पर नवाव पैदा करने की कोशिशें भी सामने आती रही हैं। स्पष्ट रूप से कहा जाना चाहिए कि ऐसे कृत्य धर्म नहीं, अधर्म हैं। किसी निर्दोष नागरिक को उसकी पहचान के कारण शिवधाम करना भगवान शिव की आराधना नहीं हो सकती। जो शिव श्मशान में भी समभाव रखते हैं, उनके नाम पर समाज में विभाजन का बीज बोना उनकी शिक्षाओं का सबसे बड़ा अपमान है। विडंबना यह है कि भगवान शिव के नाम पर वही सब किया जाता है, जिसे शिव का दर्शन स्वीकार नहीं करता। शिव विरक्तिके देव हैं, उन्माद के नहीं; करुणा के देव हैं, क्रूरता के नहीं; आत्मसमर्थन के देव हैं, आत्मप्रदर्शन के नहीं। यदि कोई व्यक्ति यह मानता है कि शिवभक्ति का अर्थ शिववाद पर भय पैदा करना है, तो उसने शायद शिव को नहीं, केवल उनके बाहरी प्रतीकों को

फिल्मी पन्ना

‘रामायण’ की रिलीज डेट का ऐलान

‘रामायण’ 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है, जो दो भाग में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका ट्रेलर 30 जुलाई 2026 को सुबह 4:15 बजे रिलीज हुआ था, जिसके बाद से फैस के बीच इस फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। रणबीर कपूर और यश की अपकमिंग फिल्म से जुड़ा हर नया अपडेट फैस का उत्साह और बढ़ा रहा है। अब मेकर्स ने इंटरनेशनल दर्शकों के लिए इस शानदार कहानी का इंग्लिश-डब ट्रेलर शेयर कर दिया है। इसके साथ ही मेकर्स ने ‘रामायण: पार्ट 1’ की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है, जो दिवाली 2026 से दो दिन पहले बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

‘रामायण’ के इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर सोनी पिक्चर्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इंग्लिश ट्रेलर और इसकी रिलीज डेट शेयर की है। मेकर्स ने ‘रामायण पार्ट 1’ को 6 नवंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। यह तारीख लक्ष्मी पूजा दिवाली से दो दिन पहले है। इसकी घोषणा करते हुए सोनी पिक्चर्स ने लिखा, ‘एक ऐसी शानदार यात्रा जैसी पहले कभी नहीं देखी गई। #Ramayana का ऑफिशियल ट्रेलर देखें, जो 6 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।’ हालांकि ‘रामायण’ के

ट्रेलर में भगवान हनुमान की झलक नहीं दिखाई है। ‘रामायण’ में रणबीर कपूर भगवान राम की मुख्य भूमिका में हैं, जबकि यश ने रावण की भूमिका निभाई है। साई पल्लवी माता सीता की भूमिका निभा रही हैं। वहीं सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में दिखाई देने वाले हैं। सोशल मीडिया पर इस फिल्म को लेकर लंबे समय से जबरदस्त बज बना हुआ है, जिसके दोनों भाग 4000 करोड़ में बने हैं। फिल्म में कई कलाकार अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं।



पाकिस्तानी दर्शकों को ‘रामायण’ का ट्रेलर आया पसंद कई बार टलने के बाद ‘रामायण’ का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज हुआ, जो सभी को बहुत पसंद आया। भारत में ही नहीं पाकिस्तान में भी लोग इस फिल्म के ट्रेलर पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। यूट्यूबर माविया उमर फारूकी के बाद हसनाद खान ने भी ट्रेलर की तारीफ की और बोले – ‘रावण जबरदस्त लग रहा है यार। क्या कमाल का ट्रेलर है।’



रोहित सुचांती को डेट कर रही थीं शिवांगी जोशी?

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में बनी रही हैं। रियलिटी शो लॉकअप 2 में भी शिवांगी के रिलेशनशिप और डेटिंग को लेकर कई सवाल उठे थे। शो में शिल्पा शिंदे ने भी शिवांगी को लेकर कहा था कि ये अपने कई को-एक्टर को डेट कर चुकी हैं। साथ ही शो में उनका नाम हर्षद चोपड़ा के साथ भी जुड़ा।

अब शो खत्म होने के बाद टीवी एक्टर अमन गांधी ने शिवांगी को लेकर बड़ा दावा कर दिया है एक्टर ने कहा है कि शिवांगी ने रोहित सुचांती को भी डेट किया है। लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया। अमन के मुताबिक इस रिलेशनशिप में शिवांगी बहुत ज्यादा कंट्रोलिंग हो गई थी और वो रोहित को हर बात के लिए टोकती रहती हैं। इतना ही नहीं अमन ने कहा कि वो रोहित को उनसे भी मिलने से रोका करती थीं। अमन के इन दावों ने सभी को हैरान कर दिया है। चलिए जानते हैं एक्टर ने और क्या-क्या कहा है? एक्टर और पॉडकास्टर अमन गांधी ने दावा किया है कि शिवांगी जोशी और अभिनेता रोहित सुचांती एक समय रिलेशनशिप में थे। टेली मसाला को दिए इंटरव्यू में अमन गांधी से उनके और रोहित सुचांती के पुराने पॉडकास्ट की एक वायरल विलप के बारे में पूछा गया। उस इंटरव्यू में रोहित ने एक मशहूर टीवी एक्ट्रेस को डेट करने की बात तो कही थी, लेकिन नाम नहीं लिया था। अब अमन ने पुष्टि करते हुए कहा है कि वो शिवांगी जोशी की बात कर रहे थे। अमन ने इस दौरान कहा कि “मुझे पता है कि वह किसके बारे में बात कर रहे थे। जिन्हें पता है, उन्हें पता है कि रोहित और शिवांगी एक समय पर रिलेशनशिप में थे। हां, वह ज्यादातर शिवांगी के बारे में ही बात कर रहे थे।

1 करोड़ का कर्ज चुकाने के लिए C ग्रेड फिल्मों में काम किया...

‘अलायंस’ की पहली विनर बनीं मिनी माथुर

कुणाल खेमू के पॉपुलर रियलिटी शो ‘अलायंस’ अपने पहले ही सीजन में जबरदस्त सफल रहा। ड्रामा, टास्क और कड़े मुकाबले से भरे इस शो को अब अपना पहला विजेता मिल गया है। मशहूर एंकर और एक्ट्रेस मिनी माथुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ‘अलायंस’ के पहले सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है।

मिनी माथुर ने ग्रैंड फिनाले के बेहद कड़े मुकाबले में डिजिटल क्रिएटर रुही दोसानी और टीवी एक्टर अली गोनी को पीछे छोड़कर यह ऐतिहासिक जीत हासिल की। शो के फाइनल वीक में अली गोनी ने अपनी रणनीतियों से पहले ही ‘एस ऑफ द वीक’ बनकर फिनाले में अपनी जगह पक्की कर ली थी। इसके बाद बाकी बचे दो स्पॉट्स के लिए चार कंटेस्टेंट्स के बीच आमने-सामने का कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मिनी माथुर ने कुशल टंडन को सेमीफाइनल टास्क में हराकर अपनी दावेदारी मजबूत की। रुही दोसानी ने नीति टेलर को पटखनी देकर फिनाले की रस में अपनी जगह पक्की की। इस तरह मिनी माथुर, रुही दोसानी और अली गोनी शो के टॉप 3 फाइनलिस्ट बने। ट्रॉफी के अंतिम मुकाबले से पहले शो में उस वक्त काफी झुमा देखने को मिला, जब बेयर हो चुके पूर्व कंटेस्टेंट्स की घर में वापसी हुई। शो से बाहर हुए सितारों ने बचे हुए संस्वरों का खुलकर सामना किया। एक्ट्रेस डेजी शाह ने वंशाज सिंह पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने

वंशाज के उस बयान पर आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने कहा था कि डेजी का शो में कोई योगदान नहीं रहा।

रियलिटी शो ‘लॉकअप सीजन 2’ को आखिर विजेता मिल गया है। इस बार जीत का ताज श्रेया कालरा के सिर सजा है। उन्होंने शो में बाजी मारी है। बता दें कि इसी के साथ इस सीजन का पड़ाव खत्म हो गया है। श्रेया कालरा ने ग्रैंड फिनाले में शिवांगी जोशी को हराकर ‘लॉकअप-सच या सजा’ सीजन 2 जीता है।

‘लॉकअप सीजन 2’ को मिला विजेता, श्रेया कालरा के सिर सजा जीत का ताज

शिवांगी को हराकर जीती श्रेया ‘लॉकअप सीजन 2’ के ग्रैंड फिनाले में श्रेया कालरा और शिवांगी जोशी के बीच मुकाबला था। विजेता के नाम का एलान किया गया तो होस्ट रितेश देशमुख ने श्रेया कालरा का नाम लिया। बता दें कि फाइनल एपिसोड जारी हो चुका है। दर्शकों ने इसे आगे बढ़ाकर देखते हुए विनर की जानकारी जुटा ली। सोशल मीडिया पर कई वीडियोज भी वायरल हो रहे हैं।

हमा कुरेशी ने शादी को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि शादी के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, ‘आप और मेरी मम्मी दोनों एक ही सवाल पूछते हैं। मेरे पास अभी इसका कोई जवाब नहीं है कि शादी कब होगी। शादी जब होनी होगी तब हो जाएगी। फिलहाल मेरे पास बहुत काम है। ये साल मेरे लिए काफी व्यस्त है और अभी मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान दे रही हूँ।’

कियारा का किया था समर्थन हमा अपने बेबाक जवाबों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म ‘टॉक्सिक’ में इंटिमेट सीन करने के लिए टोल हो रही कियारा को लेकर भी हमा ने अपनी बात रखी थी। युवा के शो ‘बी ए मैंन याय’ में बातचीत के दौरान निखिल तेनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा टोल किया जा रहा है। इस पर हमा ने कहा, ‘ये बहुत बीमार है, घिनीना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हसेंगी।

साउथ सुपरस्टार धनुष की फिल्म ओम चैप्टर 1 उधिरम की शूटिंग खत्म होने जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट पहले ही तय हो गई है और अब इसकी शूटिंग को लेकर भी लेटेस्ट अपडेट आया है।



साउथ सुपरस्टार्स की जोड़ी करेगी धमाल

ये एक एक्शन-थ्रिलर मूवी होगी जिसमें फैस मामूटी और धनुष को एक साथ अभिनय करते देख पाएंगे। फिल्म को लेकर फैस एक्साइटेट हैं। दोनों कलाकारों का अपना क्राफ्ट है और दोनों के अभिनय को देखना फैस काफी पसंद करते हैं। ओम चैप्टर 1 उधिरम द ब्लड वुड का निर्देशन राजकुमार परियारामो कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर खुद हालिया बातचीत के दौरान अपडेट शेयर किया है। फिल्म में बॉलीवुड और साउथ के कई सारे नामी कलाकार नजर आने वाले हैं। ओम चैप्टर 1 के डायरेक्टर राजकुमार परियारामो ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा- ‘हम लोग फिल्म की शूटिंग के अंत की ओर हैं। धनुष सर, मामूटी सर, श्रीलीला और साई पल्लवी के पोशर्न की शूटिंग हमने पूरी कर ली है। अब तिरुवनमालाई में फिल्म के फाइनल शेड्यूल की शूटिंग चल रही है। जल्द ही आप इस फिल्म की रिलीज की कलना कर सकते हैं।’ फिल्म की रिलीज की बात करें तो इसे 16 अक्टूबर

2026 को रिलीज किया जाना है। लेकिन इसी के आस-पास रजनीकांत को जेलर 2 भी आ रही है। इस फिल्म से ओम चैप्टर 1 का या तो क्लैश देखने को मिलेगा या फिर फिल्म की फाइनल रिलीज डेट पर मेकर्स विचार कर सकते हैं। ओम चैप्टर 1 में धनुष और मामूटी के अलावा साई पल्लवी और श्रीलीला का भी अहम रोल है। वहीं बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म में अहम रोल प्ले करते नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर साई अय्यर ने दिया है। वहीं फिल्म को दो पाट्स में रिलीज करने की तैयारी है। फिल्म की भारी-भरकम कास्ट का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि इसमें 13 नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले 3 बड़े स्टार्स काम कर रहे हैं। जहां एक तरफ धनुष के नाम 6 नेशनल अवॉर्ड हैं वहीं मामूटी ने 4 नेशनल अवॉर्ड्स जीते हैं। इसके अलावा नसीरुद्दीन शाह भी 3 नेशनल अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। अब ये तीन बड़े स्टार ओम चैप्टर 1 में साथ में अभिनय करते नजर आएंगे।



हमा कुरेशी कब करेंगी शादी? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

‘गैंग्स ऑफ वासेपुर’ और ‘महाराणी’ फेम एक्ट्रेस हमा कुरेशी ने शादी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। जानिए एक्ट्रेस कब करने वाली हैं शादी।



‘पब्लिसिटी स्टंट’ कहने वालों पर भड़कीं आकांक्षा चमोला

मनोरंजन जगत में आए दिन सितारों के अफेयर, शादी और ब्रेकअप की खबरें गुंजाती रहती हैं। लेकिन जब छोटे पर्दे के किसी बेहद पसंदीदा और पॉपुलर कपल्स के अलग होने की खबर आती है, तो फैस का दिल टूट जाता है। टीवी इंडस्ट्री के मशहूर और टैलेंटेड एक्टर गौरव खन्ना और उनकी पत्नी व एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला इन दिनों अपने रिश्ते को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं।

हाल ही में रियलिटी शो ‘लॉकअप सीजन 2’ के मंच पर आकांक्षा चमोला ने जब अपने और गौरव खन्ना के तलाक की आधिकारिक घोषणा की, तो हर कोई दंग रह गया। हालांकि, इस सनसनीखेज खुलासे के बाद इंटरनेट पर ट्रोल्स ने इसे ‘पब्लिसिटी स्टंट’ और ‘टीआरपी का नाटक’ करार देना शुरू कर दिया। अब शो से बाहर आते ही आकांक्षा ने इन तमाम मनगढ़ंत दावों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और आलोचकों को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। रियलिटी शो के सफर से बाहर आने के बाद जब मीडिया ने आकांक्षा चमोला से ट्रोल्स के उन आरोपों के बारे में पूछा, जिसमें उनके तलाक को महज एक ड्रामा बताया जा रहा था, तो एक्ट्रेस का गुस्सा फूट पड़ा। आकांक्षा चमोला ने बेहद कड़े और दो टुक शब्दों में जवाब देते हुए कहा, कोई भी समझदार, संजीदा और अपनी इज्जत करने वाली लड़की सिर्फ किसी शो की टीआरपी बढ़ाने या पब्लिसिटी हासिल करने के लिए इतने बड़े नेशनल टेलीविजन पर आकर अपनी टूटती शादी और पर्सनल लाइफ का हिंदोरा नहीं पीटेंगी। आकांक्षा ने आगे कहा कि जिन लोगों के दिमाग में इस तरह के घटिया और नीच ख्याल आते हैं, वे अगर चाहें तो सीधे उनके घर आ सकते हैं और उनकी लीगल टीम से मिलकर सच्चाई का सबूत ले सकते हैं।

‘आवारापन 2’ पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी की फिल्म ‘आवारापन 2’ का फैस बेसबी से इंतजार कर रहे हैं। वहीं अब साल 2007 में आई कल्ट-क्लासिक थ्रिलर ‘आवारापन’ के बहुप्रतीक्षित सीक्वल ‘आवारापन 2’ को सेंद्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) से हरी झंडी मिल गई है। हालांकि, सिनेमाघरों में रिलीज की मंजूरी देने से पहले सेंसर बोर्ड की एग्जामिनिंग कमेटी ने फिल्म के कुछ हिंसक दृश्यों, भाषा और विवादित सीन्स पर कैंची चलाई है। सीबीएफसी ने फिल्म को देखने के बाद इसे U/A 16+ कटेगरी में पास किया है। इसका मतलब है कि 16 साल से अधिक उम्र के दर्शक इस एक्शन थ्रिलर ड्रामा को देख सकते हैं। हालांकि, फिल्म निर्माताओं को सेंसर सर्टिफिकेट हासिल करने से पहले कई कड़े संशोधन करने पड़े हैं। फिल्म के दूसरे



पीवीआर आईनॉक्स स्मार्ट सिनेमाज का अनावरण

भारत की सबसे बड़ी और प्रीमियम सिनेमा प्रदर्शक कंपनी पीवीआर आईनॉक्स ने आज पीवीआर आईनॉक्स स्मार्ट सिनेमाज की शुरुआत की। यह एक नई और महत्वपूर्ण सिनेमा अवधारणा है, जो कंपनी के विकास के अगले चरण की शुरुआत का प्रतीक है। विशेष रूप से भारत के टियर-3 शहरों के लिए तैयार किए गए पीवीआर आईनॉक्स स्मार्ट सिनेमाज में पीवीआर आईनॉक्स के

विशेष सिनेमाई अनुभव को पूंजी-कुशल विस्तार मॉडल के साथ जोड़ा गया है, ताकि देश के उभरते शहरी केंद्रों के दर्शकों तक विश्वस्तरीय सिनेमा का अनुभव अधिक सुलभ बनाया जा सके। जैसे-जैसे भारत की आर्थिक प्रगति महानगरों से आगे बढ़कर अन्य शहरों तक पहुंच रही है, वैसे-वैसे नई पीढ़ी के शहरों में लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ रही है, बुनियादी ढांचे का

तेजी से विकास हो रहा है, संगठित रिटेल का विस्तार हो रहा है और उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं भी बदल रही हैं। इन्हीं बदलावों को ध्यान में रखते हुए पीवीआर आईनॉक्स स्मार्ट सिनेमाज की परिकल्पना की गई है, ताकि इन तेजी से विकसित हो रहे शहरों की जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुरूप प्रीमियम सिनेमा अनुभव उपलब्ध कराया जा सके। यह नई अवधारणा मुख्य रूप से एफओसीओ मॉडल के तहत लागू की जाएगी। पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अजय बिजली ने कहा, करीब तीन दशकों से पीवीआर आईनॉक्स ने भारत में सिनेमा देखने के अनुभव को नई पहचान दी है। पीवीआर आईनॉक्स स्मार्ट सिनेमाज के माध्यम से हम इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे टियर-3 शहरों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई नई सिनेमा अवधारणा लेकर आए हैं।



9 से 17 अगस्त तक चलेगा 'हर घर तिरंगा' अभियान

डीएम ने दिए निर्देश

हर घर, हर कार्यालय और हर प्रतिष्ठान पर शान से लहराए तिरंगा

कार्यक्रम हों भव्य एवं जन भागीदारी से परिपूर्ण

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। जिला मुख्यालय में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आगामी 9 अगस्त से 17 अगस्त, 2026 तक आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान की तैयारियों एवं सफल संचालन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान को जन-जन का उत्सव बनाने तथा अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अभियान के दौरान जनपद के समस्त आवासीय भवनों, दुकानों, प्रतिष्ठानों, शासकीय कार्यालयों एवं सार्वजनिक भवनों पर राष्ट्रीय



ध्वज सम्मानपूर्वक फहराया जाए। साथ ही ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों में तिरंगा रैलियां, देशभक्ति कंसर्ट, रंगोली प्रतियोगिताएं, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन तथा स्वतंत्रता दिवस से जुड़े विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भव्य एवं गरिमामय ढंग से आयोजित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त ग्राम



अथवा झुका हुआ तिरंगा न लगाया जाए।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि 14 अगस्त को "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित किया जाए। साथ ही सभी नागरिकों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को तिरंगा फहराने के उपरांत 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर सेल्फी अपलोड करने के लिए भी प्रेरित किया जाए, जिससे अभियान को व्यापक जनसमर्थन एवं सहभागिता प्राप्त हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



पंचायतों, विकास खंडों, तहसीलों एवं जनपद स्तरीय शासकीय कार्यालयों में तिरंगा फहराने के साथ-साथ आकर्षक प्रकाश व्यवस्था एवं सजावट भी सुनिश्चित की जाए। राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने पर विशेष बल देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि तिरंगा फहराते समय भारतीय ध्वज संहिता का पालन किया जाए तथा कहीं भी उल्टा, फटा, कटा

व्यापार मंडल ने नगर निगम पर उठाए सवाल बढ़ा गृहकर और जोनल कार्यालयों में भ्रष्टाचार से जनता परेशान



पुरानी दरों पर हाउस टैक्स लागू होने तक सॉफ्टवेयर अपडेट और 20% रिबेट की समयसीमा बढ़ाने की मांग

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। बड़े हुए गृहकर और नगर निगम के जोनल कार्यालयों में कथित भ्रष्टाचार को लेकर गाजियाबाद उद्योग व्यापार मंडल ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अवधेश शर्मा ने नगर आयुक्त को ज्ञापन भेजकर आरोप लगाया कि नगर निगम की नई कर व्यवस्था और बिलों में त्रुटियों के कारण आम नागरिकों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जब तक गृहकर पुरानी दरों पर लागू नहीं

हो जाता, तब तक निगम अपने सॉफ्टवेयर को अपडेट करे और 20 प्रतिशत रिबेट की समयसीमा बढ़ाई जाए।

व्यापार मंडल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि नगर निगम के दावों और वास्तविक व्यवस्था में बड़ा अंतर है। बड़ी संख्या में करदाता बिलों में संशोधन कराने के लिए जोनल कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, जहां उन्हें अनावश्यक देरी और उल्टीड़न का सामना करना पड़ रहा है। अवधेश शर्मा ने आरोप लगाया कि मकानों की आयु के सत्यापन के नाम पर जोनल कार्यालयों में भ्रष्टाचार का नया रास्ता खुल गया है। उन्होंने कहा कि शहरवासी कर जमा करने जाते हैं, लेकिन बिलों में संशोधन के नाम पर उन्हें मानसिक और आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

घनी आबादी में मोबाइल टावर लगाने का विरोध, जांच की मांग



प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। घनी आबादी वाले क्षेत्र में प्रस्तावित मोबाइल टावर लगाए जाने को लेकर स्थानीय निवासी ने आपत्ति जताते हुए संबंधित अधिकारियों से टावर की स्थापना पर रोक लगाने और मामले की जांच कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता स्वस्तिका, निवासी शांति विहार, सेक्टर-23, संजय नगर, गाजियाबाद ने अधिकारियों को दिए प्रार्थना-पत्र में बताया कि प्रस्तावित स्थान के आसपास बड़ी संख्या में लोग रहते हैं। क्षेत्र में निजी एवं सरकारी विद्यालय भी संचालित हैं, जहां बड़ी संख्या में बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि आबादी के बीच मोबाइल टावर लगाए

जाने से स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। प्रार्थना-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि क्षेत्र में करीब 30 प्रतिशत बुजुर्ग निवास करते हैं और कई लोग विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं। शिकायतकर्ता ने मोबाइल टावर लगाने से पहले निर्धारित मानकों, पर्यावरणीय एवं सुरक्षा संबंधी नियमों की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर यह जांच की जाए कि मोबाइल टावर लगाने के लिए सभी निर्धारित नियमों और मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं। नियमों का पालन नहीं होने की स्थिति में टावर की स्थापना पर तत्काल रोक लगाने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है।

वरिष्ठ नागरिकों से मिले सपा प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग, समस्याओं पर किया संवाद

पेयजल, सड़क, नाली, सफाई, स्ट्रीट लाइट और पार्कों के रखरखाव के मुद्दे उठे; स्वास्थ्य व सुरक्षा सुविधाओं में सुधार की मांग



प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। विधानसभा-56 क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ संवाद कर क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में स्थानीय बुजुर्गों और प्रबुद्धजनों ने अपने अनुभव साझा करते हुए क्षेत्र के

विकास से जुड़े सुझाव भी दिए। संवाद के दौरान वरिष्ठ नागरिकों ने पेयजल आपूर्ति, सड़कों एवं नालियों के रखरखाव, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट और पार्कों के सुंदरीकरण से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। इसके साथ ही बुजुर्गों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर अभिषेक गर्ग ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज के आधारस्तंभ और मार्गदर्शक हैं। उनका सम्मान, सुरक्षा और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संवाद के दौरान सामने आई समस्याओं और सुझावों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर प्राथमिकता के आधार पर

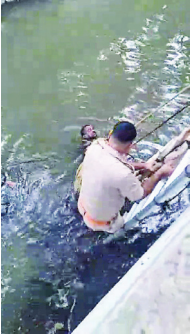
कार्रवाई कराने का प्रयास किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर संवाद आयोजित करने की पहल की सराहना की और अभिषेक गर्ग का आभार जताया। प्रदेश सचिव ने कहा कि बुजुर्गों के हितों और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह का संवाद आगे भी जारी रखा जाएगा।

संकट मोचन की भूमिका में नजर आए फायर विभाग के अधिकारी और कर्मचारी

गहरे नाले और दल-दल में फंसे व्यक्ति को रेसक्यू कर सकुशल बचाया

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। एक ऐसा मामला सामने आया है जिसको सुनकर आप भी दंतों तले उंगली दबा लेंगे। फायर अधिकारियों ने इंसानियत और मानवता का फर्ज अदा करते हुए एक व्यक्ति को बचाने का कार्य ही नहीं किया बल्कि उसे नहीं ज़िंदगी देने का भी कार्य किया। जिसकी जमकर प्रशंसा हो रही है। गहरे नाले व दल दल से रेस्क्यू कर बचाया स्थानीय लोगों द्वारा फायर विभाग के द्वारा किए गए रेस्क्यू अभियान से व्यक्ति को बचाने पर जमकर प्रशंसा करते हुए पुलिस की पूरी भूरी प्रशंसा की है और उन्हें संकट मोचन की पदवी से भी नवाजने का कार्य किया। पूरे मामले में फायर अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि जानकारी के अनुसार बता दे की शुक्रवार 07/08/2026 समय 10:11 बजे फायर स्टेशन कोतवाली पर आई ब्लॉक शास्त्री नगर में एक व्यक्ति



के गहरे एवं गंदे नाले के दल-दल में फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी कोतवाली सहित एफक्यूआरवी फायर स्टेशन कोतवाली से तथा एक फायर स्टैंडर कविनगर से तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे, घटनास्थल पर पहुंचकर अग्निशमन कर्मियों द्वारा स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सुरक्षा उपकरणों एवं रेस्क्यू तकनीक का प्रयोग

कर नाले में गिरे व्यक्ति तक पहुंच बनाई गई। अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत एवं तत्परता से व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला गया रेस्क्यू के उपरांत व्यक्ति को आवश्यक प्राथमिक उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय संजयनगर भेजा गया। पृष्ठछाछ में रेस्क्यू किए व्यक्ति ने अपना नाम गौरव उम्र लगभग-47 वर्ष बताई है।

रातभर कांवेड़ मार्ग पर डटे नगर आयुक्त, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गाजियाबाद। कांवेड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारु और व्यवस्थित बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम पूरी तरह मुस्तैद है। नगर आयुक्त विक्रमालय सिंह मलिक स्वयं दिन के साथ-साथ देर रात भी कांवेड़ मार्ग का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। गुरुवार देर रात उन्होंने दुहाई से मेरठ रोड तक कांवेड़ मार्ग का दौरा कर प्रकाश व्यवस्था, सफाई और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया तथा कांवेड़ यात्रियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने नगर निगम के कंट्रोल रूम पहुंचकर कांवेड़ मार्ग की निगरानी व्यवस्था देखी। इसके बाद उन्होंने दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर क्षेत्र सहित पूरे कांवेड़ मार्ग पर की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर नगर आयुक्त अर्जुन कुमार समेत निगम के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। श्रावण शिवरात्रि के पावन पर्व पर सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर में भगवान श्री दूधेश्वरनाथ महादेव के दर्शन, जलाभिषेक और रुद्राभिषेक के लिए किसी भी प्रकार की वीआईपी व्यवस्था नहीं होगी। मंदिर प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं के लिए न तो कोई वीआईपी पास जारी किया जाएगा और न ही वीआईपी प्रवेश अथवा विशेष अनुमति की व्यवस्था रहेगी।

मंदिर प्रबंधन के अनुसार सभी श्रद्धालुओं के लिए समान व्यवस्था लागू रहेगी। भक्त निर्धारित कतार और व्यवस्था के माध्यम से भगवान श्री दूधेश्वरनाथ महादेव के दर्शन एवं पूजन कर सकेंगे। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और निर्धारित नियमों का पालन करें। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आगाह किया है कि

यदि कोई व्यक्ति, संस्था या अन्य माध्यम वीआईपी पास, विशेष दर्शन या प्रवेश दिलाने का दावा करता है तो उस पर विश्वास न करें। मंदिर की ओर से ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। श्रद्धालुओं से भ्रामक और झूठे दावों से सावधान रहने की अपील की गई है।



मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि जी महाराज एवं मंदिर प्रबंधन समिति ने कहा कि श्रावण शिवरात्रि भगवान शिव की आराधना का अत्यंत पावन पर्व है और मंदिर में आने वाला प्रत्येक शिवभक्त समान है। उन्होंने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक दर्शन-पूजन करने तथा मंदिर एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि श्रावण शिवरात्रि पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम तरीके से भगवान भोलेनाथ के दर्शन, जलाभिषेक एवं पूजन का अवसर मिले, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।